

पीएम ने पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की बायोग्राफी लॉन्च की

● मोदी ने कहा- रील्स के दौर में शॉर्टकट न अपनाएं ● जेन-जी को दूसरों के संघर्षों से सीखना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की बायोग्राफी ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माय लाइफ माय स्ट्रगल्स लॉन्च की। इस दौरान उन्होंने युवाओं से दूसरों के संघर्षों से सीखने और आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा- आज रील्स का दौर है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं और ले जाते हैं, लेकिन इस दौर में भी रेलवे स्टेशनों पर लिखी बात याद रखें कि शॉर्टकट न अपनाएं। शॉर्टकट आपको छेदा कर देगा।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा के विमोचन पर बोले पीएम मोदी: प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कोविंद के



लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का जिक्र करते हुए कहा कि पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने आराम नहीं किया। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद एक राष्ट्र, एक चुनाव पहलू पर काम कर रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय खोल सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति

के प्रयास भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने में उनके निरंतर योगदान का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इनसे किसी खास दौर को उस व्यक्ति के जीवन के जरिए समझने का मौका मिलता है जिसने उसे खुद अनुभव

किया हो।

प्रधानमंत्री का मैसेज- शॉर्टकट विल कट यू शॉर्ट : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज रील का जमाना है, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं न कहीं खींच ले जाते हैं लेकिन इस दौर में भी, रेलवे स्टेशन पर लिखी बात याद रखें। शॉर्ट कट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सरकार और सत्तारूढ़ बीजेपी ने सोशल मीडिया पर 'जेन जी' से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं। नीट पेपर लोक होने के खिलाफ पिछले महीने हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे युवाओं से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम का

पूर्व राष्ट्रपति ने अपने संघर्षों का किया जिक्र... पूर्व राष्ट्रपति ने याद किया कि कैसे उनके घर की छत से बारिश का पानी टपकता था और उनका परिवार बारिश रुकने का इंतजार करता था। कोविंद ने कहा कि सरकारी आवास योजनाओं के तहत करोड़ों गरीब परिवारों को सिर पर छत मिली है और उन्हें सम्मान के साथ जीने का मौका मिला है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 'कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति' के उ्थान के संकल्प को याद करते हुए कोविंद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत, उनका दृष्टिकोण और आम कार्यकर्ताओं से जुड़ने की उनकी क्षमता ने भी उन्हें बहुत प्रभावित किया।

सक्रिय रूप से इस्तेमाल करें और रील 'पोस्ट' करें।

शाह बोले: संसद में हर मुद्दे पर जवाब दूंगा, विपक्ष बहस शुरू करे

● राहुल गांधी ने कहा: लेचर नहीं सुनना, बताएं छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा, 'सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। आज 3 बजे से चर्चा शुरू करें। मैं सदन में बैठूंगा, सबको सुनूंगा और कल 3 बजे सबको जवाब दूंगा।' इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें।' दरअसल, विपक्ष छात्रों के आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज के मुद्दे पर गृह मंत्री के बयान पर अड़ा है। इस कारण 17 दिनों से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। विपक्ष का



शाह ने पहली बार इस मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया, कहा- रोज सदन में आ रहा हूँ... शाह ने कहा कि विपक्ष दोनों सदनों को चलने नहीं दे रहा। जब संसद की कार्यवाही ही नहीं चलने दी जा रही है तो सदन में जाने का क्या मतलब है। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। अब जनता तय करे कि वास्तव में कौन भाग रहा है।

आरोप है कि शाह सदन में नहीं आ रहे हैं। आज दोपहर 3 बजे से कल दोपहर 3 बजे तक सरकार हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है।

एमपी-राजस्थान में 3 दिनों से बारिश, कई जगह बाढ़ जैसे हालात

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में पानी भरा



» काशी में 100 मंदिर डूबे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के मध्य और पूर्वी हिस्से में मानसून एक्टिव है। मध्य प्रदेश, राजस्थान के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश से हालात खराब हैं। इसकी वजह तीन मानसूनी सिस्टम हैं। इनके कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है। भोपाल में बुधवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों में छुट्टी है। यहां दो दिनों में 8.57 इंच बारिश हुई। करीब 200 मकानों में ढाई फीट तक पानी भर गया। रतलाम, झांभुआ, धार, बड़वानी और

इंदौर में अगले 24 घंटे में यहां 4 इंच से ज्यादा बारिश का अनुमान है। उधर, राजस्थान में खोखी बांध की दीवार टूटने से 300 बीघा फसल खराब हो गई है। कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की टनल के एक हिस्से में दो-तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। वहीं, उत्तर प्रदेश में पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है। इसके चलते जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मंगलवार को पानी भर गया था। इसका वीडियो आज सामने आया है। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं।

असम में अभी भी बाढ़ से 441 गांव घिरे, 112718 नागरिक प्रभावित

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में अभी भी बाढ़ से 441 गांव घिरे हैं और 112718 नागरिक प्रभावित हैं। नदियों का जलस्तर लगातार कम हो रहा है इससे कई जिलों में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। मगर कई जिलों में बाढ़ का असर अब भी है। यहां के प्रभावित लोग राहत शिविरों के साथ ही तटबंधों पर प्लास्टिक के टेंट में आश्रय लिए हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा प्रतिदिन समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को हर संभव कदम उठाने का निर्देश दे रहे हैं। वह मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ प्रभावित इलाकों का दौरा भी कर रहे हैं। स्वयंसेवी संगठन एवं निजी स्तर पर भी लोग प्रभावितों की मदद में जुटे हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 11 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार, धनसिरि नदी (नुमलीगढ़) तथा कुसियारा नदी (श्रीभूमि) इलाके में खतरे के निशान से अभी भी ऊपर बह रही है। अब तक बाढ़ से 102 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी भी गोलाघाट, शिवसागर, होजाई, जोरहाट, दरंग, लखीमपुर और नगांव जिला बाढ़ से घिरे हुए हैं। इन जिलों के 25 राजस्व मंडलों के कुल 441 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य के कुल 112718 नागरिक बाढ़ से प्रभावित हैं। 10879.03 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी



मुंबई के घाटकोपर में लैंडस्लाइड, 6 की मौत, 4 घायल

मलबे में दबे लोगों की कैमरों से तलाश, संकरी गलियों में मशीनों का पहुंचना मुश्किल

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के घाटकोपर के चिराग नगर इलाके में बुधवार सुबह लैंडस्लाइड हुआ। सुबह करीब 3:48 बजे गौसिया चाल में पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर कई घरों पर जा गिरा। हादसे के समय लोग सो रहे थे। अब 6 लोगों की मौत हुई। 4 लोग घायल हुए हैं। बारिश को हादसे की वजह बताया जा रहा है। DCP गणेश शिंदे ने बताया कि 3-4 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। हालांकि सटीक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। BMC के अधिकारियों के मुताबिक, मलबे में दबे लोगों का पता लगाने के लिए रेस्क्यू टीम स्पेशल जिक्टिम-डिटेक्शन कैमरों की मदद ले रही है।



घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता 3 से 3.5 फीट चौड़ा है। संकरी गलियों के कारण भारी मशीनरी घटनास्थल तक नहीं पहुंच पा रही हैं। मलबा को पहले ब्रेकर की मदद से निकाला जा रहा है। इसके बाद बाल्टियों में भरकर हाथ से हटाया जा रहा है। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी समय लग रहा है। गलियों में एक बार में एक

मृतकों के परिवार को 4-4 लाख मुआवजा... मुंबई की मेयर श्रुती तावडे ने घटनास्थल का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मृतकों के परिवार को 4 लाख की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया। वहीं, हादसे में घायल प्रत्येक व्यक्ति के इलाज के लिए 50 हजार देने की घोषणा की गई है।

व्यक्ति का अंदर जाना संभव: अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित इलाके तक पहुंचने वाली गलियां इतनी संकरी हैं कि एक समय में मुश्किल से एक व्यक्ति ही अंदर जा सकता है और दो लोग आमने-सामने भी खड़े नहीं हो सकते। पुलिस के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शव अस्पताल भेज दिए गए हैं।

हरिद्वार- 4.80 करोड़ कांवड़ियों ने 7000 मीट्रिक टन कचरा

● महिलाओं के चेंजिंग रूम में पेशाब भरी बोतलें मिलीं ● 1000 सफाई कर्मचारी बाहर से बुलाए

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार में 12 दिन की कांवड़ यात्रा के दौरान 4 करोड़ 80 लाख कांवड़िए 7 हजार मीट्रिक टन कचरा गंगा घाटों पर फैलाकर चले गए। सबसे बुरा हाल मां गंगा के आरती क्षेत्र हरकी पैड़ी का रहा। यहां कचरे के बड़े-बड़े ढेर दिखे। महिलाओं के चेंजिंग रूम में पेशाब से भरी बोतलें मिलीं।



हालात को देखते हुए 1000 आइटसोर्स यानी बाहर से बुलाए कर्मचारियों की मदद ली जा रही है। हरिद्वार जिला प्रशासन ने 18 अगस्त तक विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। नगर आयुक्त नंदन कुमार के अनुसार, डाक कांवड़ के दो दिनों में ही पूरे शहर में 1700 मीट्रिक टन कूड़ा फैला।

घाटों पर दिन-रात सफाई हो रही, कूड़ा रीसाइकिल होगा: अब कूड़े को ज्वालापुर स्थित सराय में कूड़ा ट्रीटमेंट प्लांट में रीसाइकिल के लिए भेजा जा रहा है। यहां से कूड़ा अलग-अलग करके ऑगे प्राइवेट कंपनियों को बेचा जाएगा और कुछ के कपड़े बनाए जाएंगे। नगर निगम दिन-रात अभियान चलाकर सफाई में जुटा है। सफाईकर्मियों का

समूह सबसे पहले घाटों पर सफाई कर रहा है। कल शाम हुई गंगा आरती से पहले हरकी पैड़ी क्षेत्र को सबसे पहले साफ किया गया। हालांकि, अभी घाटों की स्थिति पहली जैसी नहीं हो पाई है। शिवरात्रि की संख्या आरती के बाद जब घाट खाली हुए, तब श्रद्धालुओं से ज्यादा कचरे के ढेर दिखे। पिछले साल करीब 4 करोड़ 52 लाख कांवड़िए जल लेकर गए थे। तब 8 हजार मीट्रिक टन कूड़ा गंगा घाटों से हटाया गया था।

नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, जिला पंचायत और सभी ग्राम पंचायतों के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाने

के आदेश दिए गए हैं। अभियान को परिणामदायक बनाने के लिए सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ काम करेंगे और पुरानी व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी।

कांवड़ यात्रा खत्म होने के बाद स्वच्छता महाअभियान... कांवड़ यात्रा के खत्म होने के बाद DM मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी (CDO) डॉ ललित नारायण मिश्र ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर 12 से 18 अगस्त तक चलने वाले विशेष स्वच्छता महाअभियान की पूरी रूपरेखा तय की।

आईएसआई से जुड़ा पाकिस्तानी

आतंकी बांग्लादेश बॉर्डर से गिर तार

फर्जी दस्तावेजों पर भारत में रह रहा था राना उर्रुफ

» कोलकाता के कारपेंटर ने की थी मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल STF ने बुधवार को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया। शक है कि उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) से संबंध है। वह जासूसी और आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। उसकी पहचान राना उर्रुफ के रूप में हुई है। भारत में वहाब आलम के नाम से रह रहा था। उसके पास फर्जी पहचान दस्तावेज मिले हैं। वह बांग्लादेश भागने की कोशिश में था। उसे 24 परगना जिले के बनगांव से गिरफ्तार किया गया।

2012 में नेपाल के रास्ते भारत आया था: STF सूत्रों के अनुसार, राजत मूल रूप से पाकिस्तान के फैसलाबाद का रहने वाला है। वह 2012 में नेपाल के रास्ते भारत आया था और इसके बाद पश्चिम बंगाल में रहने लगा। शुरूआती जांच में उसके वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी



रेलवे स्टेशनों और सेना से जुड़े दस्तावेज मिले... तलाशी के दौरान अधिकारियों ने उसके पास संवेदनशील सामग्री मिली है। इसमें देशभर के रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों की आवाजाही और रेलवे पटरियों की तस्वीरें शामिल हैं। भारतीय सेना से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं।

पाकिस्तान भेजने की बात सामने आई है। STF ने मंगलवार रात दोपसिया से एक व्यक्ति को गिरफ्तार है, उसका रऊफ से सीधा संपर्क था और उसने कई तरह से उसकी मदद की थी; हालांकि, उन्होंने उसकी पहचान का खुलासा नहीं किया।

देश में बिजनेस परिवारों की संपत्ति 138 लाख करोड़ हुई

ये नीदरलैंड्स और सऊदी अरब जैसे देशों की इकोनॉमी से ज्यादा, रोजाना 4,076 करोड़ जोड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 300 सबसे अमीर फैमिली बिजनेस की कुल संपत्ति रिकॉर्ड 138 लाख करोड़ पर पहुंच गई है। 2024 के मुकाबले इनकी संपत्ति करीब 30 लाख करोड़ रुपए और 2025 के मुकाबले 1.23 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। यह संपत्ति नीदरलैंड्स और सऊदी अरब जैसे देशों की इकोनॉमी से भी ज्यादा है। '2026 बार्कलेज प्राइवेट क्लाइडेंस हुरन इंडिया मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस लिस्ट' के मुताबिक बीते दो सालों में इन बिजनेस फैमिली ने रोजाना औसतन 4,076 करोड़ जोड़े हैं।

जिंदल परिवार ने तीन साल में 3.3 लाख करोड़ की सबसे ज्यादा वेल्थ बनाई: जिंदल परिवार ने पिछले तीन सालों में सबसे ज्यादा वेल्थ



क्रिएट की है। जिंदल परिवार ने बीते 3 सालों में अपनी संपत्ति में 3.3 लाख करोड़ रुपए जोड़े हैं, जिससे उनकी कुल नेटवर्थ 70% बढ़कर 8.02 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है।

नीदरलैंड्स, सऊदी अरब और स्विट्जरलैंड की जीडीपी से भी बड़ी है यह संपत्ति : हुरन इंडिया के

शाही एसपोर्ट्स के आहुजा परिवार की संपत्ति 3 साल में 352% बढ़ी... शाही एसपोर्ट्स के आहुजा परिवार ने बीते तीन सालों में ग्रोथ के मामले में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है। आहुजा परिवार की संपत्ति 352% बढ़कर 37,500 करोड़ रुपए हो गई है, जो इस लिस्ट में तीन साल की सबसे उच्चतम ग्रोथ रेट है।

कुल संपत्ति को मिलाकर एक देश मान लिया जाए, तो जीडीपी (GDP) के मामले में यह दुनिया की 18वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। यह नीदरलैंड्स, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड और पोलैंड जैसे विकसित देशों की जीडीपी से भी अधिक है।



चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई एयरपोर्ट पर मंगलवार देर रात एक इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट कोलकाता से चेन्नई आ रही थी। फ्लाइट चेन्नई में लैंड करने वाली थी, तभी पायलट ने महसूस किया कि बायां इंजन फेल हो गया है।

उसने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद चेन्नई एयरपोर्ट पर रात 11:29 बजे फुल इमरजेंसी घोषित की गई। इसके बाद फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग हुई। विमान में 224 लोग सवार थे।

लैंडिंग से ठीक पहले ATC को अलर्ट मिला : एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6E-723 रात 9:15 बजे कोलकाता से रवाना होनी थी, लेकिन यह करीब 25 मिनट की देरी से रात 9:39 बजे रवाना हुई। विमान को रात 11:30 बजे चेन्नई पहुंचना था। रनवे पर उतरने से ठीक पहले पायलट को एहसास हुआ कि बाएं इंजन में खराबी आ गई है। इसके बाद पायलट ने ATC को अलर्ट किया।



जिनके अमर बलिदान से मिली स्वतंत्रता
उन वीरों को शत-शत नमन

नया मध्यप्रदेश

समानता का विश्वास, समावेशी विकास



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



‘स्वतंत्रता हमें केवल अधिकार नहीं देती, बल्कि यह कर्तव्य का स्मरण भी कराती है। आइए, हम सब मिलकर प्रदेश के समग्र विकास और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लें।’

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

प्रदेशवासियों को

80वें स्वाधीनता
दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं



जुड़ें नए मध्यप्रदेश से

तिरंगे के रंग में रंगा सीधी, 5 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने निकाली अभूतपूर्व तिरंगा यात्रा

तिरंगे की छांव में एकजुट हुआ सीधी, युवाओं ने दिया राष्ट्रभक्ति का सशक्त संदेश : विधायक



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व शुक्रवार को सीधी नगर में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। छत्रसाल स्टेडियम से निकली

विशाल तिरंगा यात्रा में 5 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ सहभागिता की हाथों में तिरंगा और मन में राष्ट्रप्रेम का जज्बा

लिए विद्यार्थियों के कदम जब नगर की सड़कों पर बड़े तो पूरा शहर तिरंगे के रंग में रंगा नजर आया भारत माता के जयघोष और देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंजता रहा। तिरंगा

यात्रा छत्रसाल स्टेडियम से प्रारंभ होकर अस्पताल तिराहा, कलेक्ट्रेट तिराहा होते हुए होमगार्ड परिसर पहुंची, जहां इसका गरिमामय समापन हुआ हजारों विद्यार्थियों की एक साथ सहभागिता, हाथों में लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों ने यात्रा को यादगार बना दिया मार्ग में नागरिकों ने भी उत्साह के साथ यात्रा का स्वागत किया। तिरंगा यात्रा में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक रीती पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, कलेक्टर विकास मिश्रा और पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विद्यार्थियों के

साथ कदम से कदम मिलाकर यात्रा में सहभागिता की सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि तिरंगे के सम्मान में सीधी की धरती पर उमड़ा जनसैलाब राष्ट्रभक्ति की अद्भुत मिसाल है उन्होंने कहा कि हजारों विद्यार्थियों का अनुशासन और उत्साह यह दर्शाता है कि देश की युवा पीढ़ी राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत है तिरंगा देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद करने का पर्व भी है यह तिरंगा यात्रा नई पीढ़ी के राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी का विराट प्रदर्शन है। विधायक रीती पाठक

ने कहा कि तिरंगा यात्रा के दौरान सीधी नगर का प्रत्येक मार्ग देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया 5 हजार से अधिक विद्यार्थियों का एक साथ तिरंगा लेकर चलना जिले की जागृत राष्ट्र चेतना और देश के प्रति अटूट प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगा करोड़ों देशवासियों की भावनाओं, त्याग, संघर्ष और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है युवाओं की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि देश की एकता और अखंडता के लिए युवा शक्ति सजग और प्रतिबद्ध है उन्होंने कहा कि तिरंगे के सम्मान को केवल राष्ट्रीय पर्व तक सीमित न रखते हुए राष्ट्र और समाज के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना

स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में कलेक्टर विकास मिश्रा करेंगे ध्वजारोहण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को जिला मुख्यालय सीधी में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में कलेक्टर विकास मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर प्रातः 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे समारोह में राष्ट्रगान, मार्चपास्ट, मुख्यमंत्री के संदेश का लाइव प्रसारण तथा देशभक्ति और भारतीय संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों के साथ विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

वंदेमातरम के साथ होगा कार्यक्रम का शुभारंभः

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि कलेक्टर विकास मिश्रा का प्रातः 8.58 बजे पुलिस परेड ग्राउंड में आगमन होगा इसके बाद राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम का गायन किया जाएगा। प्रातः 9 बजे कलेक्टर द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और इसके पश्चात राष्ट्रगान होगा ध्वजारोहण के बाद प्रातः 9.10 बजे कलेक्टर द्वारा परेड का निरीक्षण किया जाएगा। इसके बाद मार्चपास्ट आयोजित होगा जिसमें विभिन्न टुकड़ियां अनुशासन और गरिमा के साथ भाग लेंगी समारोह में पुलिस एवं अन्य दलों की प्रस्तुति राष्ट्रीय पर्व के गौरव को प्रदर्शित करेगी।

मुख्यमंत्री के संदेश का होगा लाइव प्रसारणः प्रातः 9.20 बजे मुख्य अतिथि द्वारा परेड कमांडर एवं प्लान्टून कमांडरों का परिचय प्राप्त किया जाएगा इसके बाद प्रातः 9.25 बजे मुख्यमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संदेश का लाइव प्रसारण किया जाएगा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मुख्यमंत्री का संदेश सुनेंगे।

शहडोल के खेतों में पहुंचे विधायक-कलेक्टर, किसानों से किया सीधा संवाद

जयसिंहनगर में कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कहा- प्राकृतिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाएं

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जयसिंहनगर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कौआसरई में शुक्रवार को ब्यौहारी विधायक शरद कोल, कलेक्टर पार्थ जायसवाल और पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल ने किसानों के खेतों का दौरा कर कृषि गतिविधियों का जायजा लिया अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने खेतों में पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद किया और खेती से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं की जानकारी ली दौरे के दौरान प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों से उनकी कृषि पद्धति, फसल उत्पादन, लागत, सिंचाई व्यवस्था और खेती में आने वाली चुनौतियों के संबंध में चर्चा की गई अधिकारियों ने किसानों द्वारा अपनाई जा रही



प्राकृतिक खेती की तकनीकों को समझा और कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। **प्राकृतिक खेती के साथ आधुनिक तकनीक पर जोरः** विधायक शरद कोल ने किसानों से कहा कि कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए पारंपरिक अनुभव और प्राकृतिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों का समन्वय जरूरी है

उन्होंने किसानों को खेती में नई तकनीकों, बेहतर कृषि पद्धतियों और उपलब्ध संसाधनों का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कहा कि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग खेती की दीर्घकालिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण है उन्होंने किसानों से स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार

फसल और कृषि पद्धतियों में आवश्यक बदलाव तथा नए प्रयोग करने का आग्रह किया।

मौके पर सुनी किसानों की समस्याएंः कलेक्टर ने किसानों की समस्याओं को भी गंभीरता से सुना उन्होंने कृषि से संबंधित जरूरतों और स्थानीय स्तर पर सामने आ रही दिक्कतों के बारे में जानकारी ली साथ ही ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया एसपी संजय अग्रवाल ने भी ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र की स्थिति और ग्रामीण विषयों की जानकारी ली जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के खेतों तक पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करने की पहल की ग्रामीणों ने सराहना की।

सरकारी आवास में मिला एसएसआई का शव

सुबह ड्यूटी पर नहीं पहुंचे तो पुलिसकर्मी पहुंचे घर, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से होगी मौत की वजह स्पष्ट



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। कोतवाली थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक (एसएसआई) कैलाश मिश्रा (60) का गुरुवार सुबह निधन हो गया उनका शव पुलिस लाइन स्थित सरकारी आवास में मिला एसएसआई डायल-112 में ड्यूटी पर तैनात थे सुबह निर्धारित समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंचने और फोन रिसीव नहीं करने के बाद पुलिसकर्मी उनके सरकारी

आवास पहुंचे जहां वह बिस्तर पर मृत मिले।

फोन नहीं उठाया तो पुलिसकर्मी पहुंचे आवासः पुलिस के अनुसार एसएसआई कैलाश मिश्रा पुलिस लाइन न्यू कॉलोनी के बी ब्लॉक स्थित कमरा नंबर-13 में अकेले रहते थे गुरुवार सुबह ड्यूटी का समय होने पर डायल-112 के पायलट ने उन्हें फोन किया कई बार कॉल करने के बावजूद जब उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया, तो पायलट ने इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी इसके बाद कोतवाली थाना प्रभारी रावेंद्र तिवारी पुलिस टीम के साथ उनके सरकारी आवास पहुंचे दरवाजा खटखटाते के बाद भी अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली पुलिसकर्मीयों ने दरवाजा खोला तो एसएसआई बिस्तर पर मृत अवस्था में मिले। घटना की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और उनके परिजनों को दी गई।

जानकारी के मुताबिक कैलाश मिश्रा बुधवार देर शाम ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने सरकारी आवास लौटे थे। गुरुवार तड़के उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ था इसके बाद उन्होंने डायल-112 को बुलाया और जिला अस्पताल पहुंचे अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया और दवा दी उपचार के बाद वह वापस अपने सरकारी आवास लौट आए थे। थाना प्रभारी रावेंद्र तिवारी के अनुसार प्रथम दृष्टया एसएसआई की मौत हृदयाघात से होने की आशंका है हालांकि मौत की वास्तविक वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। एसएसआई कैलाश मिश्रा के निधन की खबर से पुलिस विभाग में शोक का माहौल है साथी पुलिसकर्मीयों और अधिकारियों ने उनके निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना जताई।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में मंच संचालन करेंगे अवनीश शर्मा

एसएएफ मैदान में होने वाले शासकीय समारोह की जिम्मेदारी सेवानिवृत्त अवनीश शर्मा को मिली



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एसएएफ मैदान में आयोजित होने वाले शासकीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मंच संचालन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हाल ही में संभागायुक्त के निज सहायक पद से सेवानिवृत्त हुए अवनीश शर्मा को सौंपी गई है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से जुड़े शर्मा प्रभावशाली उद्घोषक और अनुभवी मंच संचालक के रूप में अपनी पहचान रखते हैं शर्मा लंबे समय से विभिन्न शासकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक और निजी आयोजनों में मंच संचालन करते रहे हैं उनकी प्रभावशाली वाणी और सहज प्रस्तुति के कारण वे श्रोताओं के बीच लोकप्रिय हैं। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले शासकीय समारोह में मंच संचालन के लिए उनका चयन शहर के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। अवनीश शर्मा रिदम म्यूजिकल ग्रुप के उपाध्यक्ष हैं। इसके अलावा वे विभिन्न

सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं साहित्यिक एवं आध्यात्मिक रुचि रखने वाले शर्मा अपनी धाराप्रवाह शब्दावली और प्रभावी उद्घोषणा शैली के लिए जाने जाते हैं मंच से कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों को क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने और उपस्थित जनसमूह को जोड़े रखने में उन्हें विशेष अनुभव है उनकी इस जिम्मेदारी को लेकर रिदम म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी, हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी और कलम परिवार के अध्यक्ष नागेन्द्र मिश्रा ‘मणि’ ने शुभकामनाएं देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

पाथर गांव में अचानक बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में तोड़ा दम; पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के पाथर गांव में शराब पीने के बाद एक 45 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई मृतक की पहचान पाथर निवासी संतोष बैगा, पिता बर्दई बैगा, के रूप में हुई है पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार संतोष बैगा ने शुक्रवार रात शराब का सेवन किया था इसके कुछ समय बाद उनकी तबीयत

अचानक बिगड़ गई परिजन उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि मृतक ने किस प्रकार की शराब का सेवन किया था जांच में सामान्य शराब के साथ कच्ची या महुआ शराब पीने की संभावना को भी ध्यान में रखा है पुलिस यह भी पता कर रही है कि शराब कहाँ से खरीदी गई थी और सेवन के समय मृतक के साथ कौन-कौन लोग मौजूद थे पुलिस के अनुसार मौत की वास्तविक वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नवांकुर सखियों ने हरियाली यात्रा निकालकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश पौधारोपण के साथ पौधों की सुरक्षा और हरित क्षेत्र के विस्तार के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सेक्टर क्रमांक-2 अर्मिलिया, विकासखंड सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत सहजी में नवांकुर सखियों द्वारा हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया यात्रा के

माध्यम से ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक पौधारोपण, पौधों की सुरक्षा और गांवों में हरित क्षेत्र के विस्तार के प्रति जागरूक किया गया यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेशों के साथ सहभागिता की



कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक मुकेश कुमार गौर, विकासखंड समन्वयक अनिल कुमार पाठक, सरपंच कुसुमकली कोल और वरिष्ठ समाजसेवी शालिकराम द्विवेदी सहित नवांकुर सखियां एवं बड़ी

संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। **पौधों की सुरक्षा का दिया संदेशः** हरियाली यात्रा के दौरान नवांकुर सखियों और ग्रामीणों ने लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया साथ ही लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल

और सुरक्षा करने का संदेश दिया गया नवांकुर सखियों ने ग्रामीणों को बताया कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है पौधे लगाने के बाद उन्हें सुरक्षित रखना और वृक्ष बनने तक उनकी निरंतर देखभाल करना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है यात्रा के दौरान लोगों को घर, खेत, सार्वजनिक स्थानों और गांव के आसपास उपलब्ध स्थानों पर पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों से पौधों को नुकसान से बचाने और उनके विकास के लिए नियमित देखभाल करने की अपील की गई। **पर्यावरण संरक्षण में जनभागिदारी जरूरीः** कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए

रखने के साथ मानव जीवन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जल, वायु और मिट्टी के संरक्षण में वृक्षों की अहम भूमिका है। वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित, स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराने के लिए पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखकर जनभागीदारी का अभियान बनाना आवश्यक है जिला समन्वयक मुकेश कुमार गौर ने कहा कि हरियाली यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकल्प है उन्होंने नवांकुर संस्थाओं और नवांकुर सखियों से गांव-गांव में पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रोगी कल्याण समिति की बैठक शुक्रवार को जनपद पंचायत सभागार में आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता धौहनी विधायक कुंवर सिंह ठेकाम ने की इस दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार को समीक्षा की गई बैठक में जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सारार जैन, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्रा, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुप्रिया सिंह, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी मान कुमारी पतिना, खंड समन्वयक जनपद शिक्षा केंद्र

अंगिरा प्रसाद द्विवेदी एवं जन्मेजय जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

80 गांवों को मिलेंगे हेल्थ किटः बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी से जुड़े 80 ग्रामों में हेल्थ किट उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। ये हेल्थ किट संबंधित क्षेत्रों में कार्यरत कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, एएनएम और आशा सुपरवाइजर्स को प्रदान की जाएंगी इससे ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और लोगों को आवश्यक सुविधाएं नजदीक उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी विधायक कुंवर सिंह ठेकाम ने स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना जरूरी है।

संसद के सामने नई चुनौती

आशुतोष झा

बड़े दिनों बाद विपक्ष और खासकर कांग्रेस को एक सफलता मिलने का अहसास हो रहा है। उसकी जो चाहत थी, वह पूरी हो गई। मानसून सूत्र करीब-करीब धुल गया और परिसीमास विधेयक भी नहीं आ पाया। द्रमुक के विपक्षी खेमे से बाहर जाने और कांग्रेस के खिलाफ तीखे तेवर अपनाने, शरद पवार गुप्त के एनसीपी के बदले सूत्र, तुमगुल में टूट जैसी कई घटनाओं ने कांग्रेस को अशक्ति कर रखा था। ऐसे में छात्र आंदोलन के रूप में उसके हाथ बंदे आ गया। कुछ सप्ताशों की एग्निति भी मात खा गई और विपक्ष की मंशा पूरी हो गई, लेकिन विपक्ष को यह सोचना होगा

कि लंबी राजनीति में ऐसे अवरोध की रणनीति बहुत काम नहीं आती। परिसीमन तो संवैधानिक व्यवस्था है और वह होगी ही। वह कांग्रेस नहीं रोक पाएगी और उसमें अभी विपक्षी खेमों में खड़े कई दल भी साथ देने। लिखाजा सफलता को स्थगित बनाता है तो शोर-शराबे की राजनीति से आगे जाकर विमर्श की ऐसी राजनीति सीखनी और करनी होगी, जिससे जनता उसके नैरेटिव को समझ सके। विपक्ष ने रणनीति के तहत सत्र को नहीं चलाने देने का मन बना लिया था, फिर भी यदि सत्तापक्ष सदन चलाने की सार्थक पहल करता

संसद के सार

तो विमर्श में शायद आगे दिखता। जिस तरह पूरा सत्र हठधर्मिता के कारण बाधित हुआ, वह लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। विपक्ष अगर सार्थक मुद्दों पर सकारात्मक जीत हासिल करे तभी लोकतंत्र की सफलता है।

वैसे तो 2014 के बाद कई बार और 2024 के सत्र से अधिकतर यही देखा गया है कि संसद सत्र से ठीक पहले कुछ ऐसे मुद्दे उभरते हैं, जिन्हें विपक्ष लपक लेता है। जंतर-मंतर पर सीजेपी का

संपा

ने नई चुनौती

आंदोलन ऐसा ही एक मुद्दा था। इससे पहले उस भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर किसान आंदोलन खड़ा करने की तैयारी थी, जो वस्तुतः अभी फाइनल नहीं हुआ है। ऐसे आंदोलनों के पीछे कौन सी ताकत काम करती है, यह समझना ज़रूरी है।

मानसून सत्र की शुरुआत में भी जब अग्रोध उत्पन्न हुआ तो किसी को हैरत नहीं हुई। क्योंकि पहला हफ्ता शोर-शराबे में ही जाने की

एक परंपरा सी बन गई है, लेकिन यह सत्र थोड़ा अलग रहा। विपक्ष ने इसका चलना अपने लिए अस्तित्व की लड़ाई बना लिया और डर था कि पर्सिसीमन विधेयक का। सरकार की ओर से संकेत था कि संविधान संशोधन के लिए जरूरत नंबर से कुछ अधिक उसके पास है। इसके चलते अलग-अलग मुद्दों को तूल देकर सत्र ही नहीं चलने दिया गया। बार-बार मुद्दे बदले गए, पक्षों के बीच थोड़ा-थोड़ा रोकें। न रहे बांस, न बजें बांसुरी। कांग्रेस को पता है कि पर्सिसीमन में होगा, लेकिन अभी रोक लिया तो 2029 के

नुनाब तक एक बाजी और लगाने का बल बचा रहेगा। अगर लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो जाए तो बचे हुए दो-बाई सला में ज्यादा मशकत न हो पाएगी। सीटों का बदला हुआ स्क्वैस अलग रंग दिखाएगा और 2029 गवर्ना का अर्थ है 20 साल सत्ता से बाहर रहना, जो ज़हिर तोर पर काग्रेस और उसके कई नेताओं के लिए अस्तित्व बचाने की बात होगी, लेकिन क्या काग्रेस को इसकी याद दिलाने होगी कि देश के बहुत बड़े हिस्से से वह 30-40 वर्षों से भी ज्यादा वक्त से सत्ता से बाहर है। अगर संविधान के अनुच्छेद 81 और 170 के तहत 2027 की जनगणना के आधार पर परिसीमन पर हुआ तो काग्रेस के सामने संकट होगा।

विदेशी चंदे पर नियंत्रण और संतुलन की अपेक्षा

ललित गर्ग

भारत में समय-समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विदेशी वित्तपोषण के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं अथवा राष्ट्रीय हित से टकराने वाली गतिविधियों को लेकर सवाल उठे हैं। इसलिए एफसीआरए का मूल उद्देश्य-विदेशी अंशदान को पारदर्शी, उत्तरदायी और वैध उद्देश्यों तक सीमित रखना-न तो अनुचित है और न ही लोकतंत्र विरोधी।

12 अगस्त 2026 का दिन भारतीय संसद के लिए इसलिए महत्वपूर्ण रहा कि विदेशी अंशदान (विनिमय) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एफसीआरए विधेयक को लोकसभा ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति- जेपीसी के पास भेज दिया। यह फैसला केवल एक विधेयक को संसदीय प्रक्रिया के अगले चरण में भेजना नहीं है, बल्कि उस व्यापक बहस का अवसर है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी धन की पारदर्शिता, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की स्वायत्तता, नागरिक समाज की भूमिका और लोकतांत्रिक अधिकार-सभी एक साथ जुड़े हुए हैं। विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने से सरकार और विपक्ष के बीच तत्काल टकराव को कुछ हद तक विमर्श में बदलने का अवसर मिला है। एफसीआरए का इतिहास भी इस बहस की गंभीरता को समझने में मदद करता है। विदेशी धन के माध्यम से देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर बाहरी प्रभाव की अंशदाओं को देखते हुए 1976 में पहली बार कानून बनाया गया था। वर्ष 2010 में इसे नए एफसीआरए कानून से प्रतिस्थापित किया गया और उसके बाद 2020 सहित विभिन्न चरणों में इसके प्रावधान अधिक कठोर होते गए। आज यह कानून केवल विदेशी चंदे की प्राप्ति और उसके उपयोग का लेखा-जोखा रखने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े विमर्श का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। आंकड़ों इस विषय की व्यापकता बताते हैं। पीआरएस के अनुसार 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त माने गए। 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को लगभग 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान मिला। इन आंकड़ों को देखकर यह सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग कहाँ, किस उद्देश्य से और किस स्तर की निगरानी के साथ हुआ? लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उठना ही महत्वपूर्ण है-क्या किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाना अपने आप में किसी वित्तीय या आपराधिक अस्थिरमितता का प्रमाण माना जा सकता है? सरकार के अपने स्पष्टीकरण के अनुसार भी पंजीकरण समाप्त होने के कई कारण हो सकते हैं और हर समाप्ति को गलत काम से जोड़ना उचित नहीं है। यहीं से प्रस्तावित संशोधन का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। विधेयक में 'नामित प्राधिकरण' की व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, वह स्वयं पंजीकरण छोड़ देती है या उसका प्रमाणपत्र नवीनीकरण न होने के कारण समाप्त हो जाता है, तो विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियाँ पहले अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन आ सकती हैं। यदि निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल नहीं होता तो संपत्तियाँ स्थायी रूप से निहित की जा सकती हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उपयोग या बेचने का प्रावधान है। बिज्जी से प्राप्त राशि और अप्रयुक्त विदेशी अंशदान भारत की समेकित निधि में जमा किए जाने का प्रस्ताव

फिर लंबी राजनीति में ऐसे अवरोध की रणनीति बहुत काम नहीं आती। परिसीमान से संवैधानिक व्यवस्था है और वह होगी ही। वह कांग्रेस नहीं छोड़े पाएगी और उसमें अभी विपक्षी खेमे में खड़े कई दल भी साथ देंगे। लिहाजा सफलता को स्थायी बनाना है तो शोर-शराबे की राजनीति से आगे जाकर विपक्ष की ऐसी राजनीति रखनी होगी जकी होगी, जिससे जनता उसके नैरेटिव को समझ सके। विपक्ष ने रणनीति के तहत सच को नहीं चलने देने का मन बना लिया था, फिर भी यदि सत्तापक्ष सदन चलाने की साधन्यं पहल करता

तो विमर्श में शायद आगे दिखता। जिस तरह पूरा सत्र एडमिशन के कारण बाधित हुआ, वह लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। विपक्ष अगर सार्थक प्रदर्शन पर सरकारवादी जीत हासिल करे तभी लोकतंत्र की सफलता है।

वैसे तो 2014 के बाद से कई बार और 2024 के चुनाव से अफिक्तर यही देखा गया है कि संसद सत्र से ठीक पहले कुछ ऐसे मुद्दे उभरते हैं, जिन्हें विपक्ष लपक लेता है। जंतर-मंतर पर सीजीपी का

आंदोलन ऐसा ही एक मुद्दा था। इससे पहले उस
भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर
किसान आंदोलन खड़ा करने की तैयारी थी, जो
वस्तुतः अभी फाइनल हो
चुकी है। ऐसे
आंदोलनों के पीछे
कौन सी ताकत काम
करती है, यह समझ जान
सकता है। मानसून सत्र की शुरुआत में भी जन
अवरोध उत्पन्न हुआ तो किसी को हैरत नहीं हुई।
क्योंकि पहला हफ्ता शोर-शराबे में ही जाने की

एक परंपरा सी बन गई है, लेकिन यह सत्र थोड़ा अलग रहा। विश्व ने इसका चलना अपने लिए अपसिद्ध की लड़ाई बना लिया और डर और अस्थिरता में विश्वचक्र का सरकारी और संस्कृत था कि सविधान संशोधन के लिए जरूरी नंबर से कुछ अधिक उसके पास हैं। इसके चलते अलग-अलग मुद्दों को तूल देकर सत्र ही नहीं चलने दिया गया। बार-बार मुद्दे बदले गए, पण धीरे एक था-संदेह रोको। न रहे पास, न बस बासुरी। कांग्रेस को पता है कि परिसीमा तें होगा, लेकिन अभी रोक लिया तो 2029 के

न जूझाई शरीरकतम न हो। कौनसा सौदा कौन बरसा।
 न हुआ स्वप्न अलग रंग दिखाना। और 2029
 गवाने का अर्थ है 20 साल सत्ता से बाहर रहना,
 जो जाहिर तोल पर काग्रेस और उसके कई
 नेताओं के लिए अस्तित्व बचाने की बात होगी,
 लेकिन क्या कांग्रेस को इसकी याद दिलानी होगी
 कि देश के बहुत बड़े हिस्से से वह 30-40 वर्षों
 से भी ज्यादा वक्त से सत्ता से बाहर है। अगर
 संविधान के अनुच्छेद 81 और 170 के तहत
 2027 की जगनागण के आधार पर परिसीमन
 पर हुआ तो कांग्रेस के सामने संकट होगा।

हरियाली तीज: शिव-पार्वती के प्रेम, सौभाग्य और सावन की हरियाली का महापर्व

सावन का महीना आते ही प्रकृति का रूप बदल जाता है। बारिश की बूंदों से धुली धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। पेड़ों की डालियों पर झूले पड़ते हैं, हाथों में मेहंदी सजती है और लोकगीतों की मधुर धुन वातावरण में सावन की उमंग घोल देती है। इसी उल्लास और आस्था के बीच आने वाला हरियाली तीज भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखता है। यह पर्व केवल व्रत और पूजा तक सीमित नहीं है बल्कि प्रेम, दांपत्य जीवन, नारी सौंदर्य, पारिवारिक सुख-समृद्धि और प्रकृति के नवश्रृंगार का उत्सव भी है। हरियाली तीज सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान शिव ने माता पार्वती की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया था। इसलिए यह पर्व शिव-पार्वती के प्रेम, तपस्या और पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है। वर्ष 2026 में हरियाली तीज 15 अगस्त, शनिवार को मनाई जाएगी। इस दिन सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से व्रत रखती हैं। वहीं, अविवाहित कन्याएं मनचाहे जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए शिव-पार्वती की आराधना करती हैं।

हरियाली तीज का पर्व 15 अगस्त को
नाया जाएगा

सावन की हरियाली से जुड़ा है पर्व का महिरीयाली तीज का नाम ही इस पर्व के नाम से गहरे संबंध को दर्शाता है। सावन वर्षा के बाद चारों ओर हरियाली दिखाई देती है। खेत, पड़-पोंछे और वनस्पतियाँ नए जीवन से भर उठती हैं। प्रकृति के इसी हरित रूप को तीज के उत्सव से जोड़ा गया है। परंपरिक रूप से इस अवसर पर महिलाएँ रंग के वस्त्र पहनती हैं। हाथों में मेहदी चाली हैं और हरी चूड़ियाँ पहनकर सोलह वारा करती हैं। घर-परिवार और आसपास के इलाकों में झुले लगाए जाते हैं। नई-नवेरी दुर्घनें विषय रूप से मायके आती हैं। अपनी सखियों के साथ झूलते हुए सावन के गीत गाती हैं। इन गीतों में कभी मायके की याद होती है, कभी पिपा के म का वर्णन और कभी सावन की पड़पुहारों का उल्लास। इस तरह तीज महिलाओं और घर धार्मिक आस्था के साथ-साथ अपनी भावनाओं और सामाजिक संबंधों को अभिव्यक्त करने का अवसर भी बन जाती है। शिव-पार्वती के पुर्नमिलन की कथाहरियाली तीज की धार्मिक मायनाओं का केंद्र माता पार्वती और भगवान शिव हैं। पार्वती के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव के साथ के रूप में प्राप्त करना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने कठोर तपस्या की और जब सम्य तब कटिन साधना में लीन रहीं। अतः मान्यता है कि माता पार्वती के 108वें जन्म तक उनकी तपस्या पूरी हुई। सावन मास के प्रत्येक पक्ष की तृतीया के दिन भगवान शिव अपनी अर्धांगिनी से प्रसन्न हुए और उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसी वजह से कि हरियाली तीज को शिव-पार्वती के दिव्य मिलन का पर्व माना जाता

है। इस दिन शिव-पार्वती की पूजा और व्रत-कथा का श्रवण करने से दाम्पत्य जीवन में प्रेम, विश्वास और मधुरता बनी रहने की धार्मिक मान्यता है। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं, जबकि अविवाहित युवतियां भगवान शिव और माता पार्वती से अलख ज्योत्स्नासाथी की प्राप्ति का आशीर्वाद मांगती हैं। तीज में दिखाई देता है नारी उसव का रंगहरियाली तीज को महिलाओं का प्रमुख पर्व भी माना जाता है। इस दिन महिलाएं सजती-संवर्ती हैं, एक-दूसरे में घर जाती हैं, मेहंदी लगाती हैं और सामूहिक रूप से पूजा करती हैं। सोलह श्रृंगार का इस पर्व पर विशेष महत्व माना जाता है। सिंदूर, मेहंदी, चूड़ियां, बिंदू, काजल, महावार और आभूषण आदि सुहाग के प्रतीकों के रूप में धारण किए जाते हैं। कई स्थानों पर महिलाएं एक-दूसरे को सुहाग सामग्री भी भेंट करती हैं। हरे रंग के वस्त्र और चूड़ियां सावन की हरियाली तथा समृद्धि का प्रतीक मानी जाती हैं। मेहंदी को प्रेम और सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है। इस तरह तीज के प्रत्येक रंग और परंपरा में कोई न कोई सांस्कृतिक भाव छिपा हुआ है। व्रत का स्वरूप और धार्मिक महत्त्व हरियाली तीज पर कई महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। कुछ महिलाएं अपन-क्षमता और परिवारिक परंपरा के अनुसार फलाहार करती हैं। व्रत का स्वरूप अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों में अलग हो सकता है। व्रत रखने वाली महिलाएं सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं और पूजा का संकल्प लेती हैं। इसके बाद भगवान शिव, माता पार्वती और उनके परिवार का पूजन किया जाता है। कई स्थानों पर मिट्टी या बालू से शिव-पार्वती की प्रतीकात्मक पूजा करने की परंपरा है। पूजा के दौरान तीज की कथा सुनना, शिव-पार्वती का ध्यान करना और परिवार के सुख-शांति

भी कामना करना विशेष महत्व रखता है।
हरियाली तीज 2026 में पूजा का शुभ
समयहरियाली तीज पर शिव-पार्वती का
पूजा सुहृद और शम लोनों समय की ज
होती है। दिए गए विवरण के अनुसार
सूर्योदय के बाद सुहृद करीब 6 बजे से पूज
करने की परंपरा बताई गई है, जबकि
शम को सूर्यास्त के बाद प्रदोष काज के
लिए विशेष माना जाता है। इस दि
वि योग, शिव योग और सिद्ध योग जैसे
शिव सयोगों का भी उल्लेख किया गया है
हलाक़ी, पूजा का सटीक समय स्थान
विशेष के सूर्योदय-सूर्यास्त और स्थानीय
पंचांग के अनुसार अलग हो सकता है
सलिए व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए
स्थानीय पंचांग के अनुसार मुहूर्त देखने
अधिक उपयुक्त रहेगा। पूजा में किन चीजों
की जरूरत होगी?हरियाली तीज की पूजा के
पहले से सामग्री तैयार कर लेना बेहतर
माना जाता है। पूजा सामग्री में मुख्य रूप से
सुहृद शम, शिव-पार्वती के वस्त्र और
कृतिक पूजन सामग्री शामिल होती है।
प्रमुख पूजन सामग्रियों में मुख्यतः सिंदूर
पेंहेंदी, बिंदी और चूड़ियां, काजल, महार
नाता पार्वती के लिए चुनरी, भगवान शिव
लिए वस्त्र, बेल्चन, धतूरा, शमी पत्र
केले का पत्ता, गीली काली मिट्टी या बालू
चामू, मोसमी फल, घेवर, ठेकुरा या
एन पारंपरिक मिठाईयां शामिल होती हैं।
अन्तिक, पूजन सामग्री क्षेत्रीय परंपरा और
परिवार की मान्यताओं के अनुसार अलग हो
सकती है। तीज के झुले और लोकगीत कार्यक्रम
खस?हरियाली तीज का एक आकर्षक
झूला उत्सव है। सावन में पेड़ों का
नजबत डालियों पर झूले लगाए जाते हैं
हिलाएँ और युवतियाँ समूह में झूला झूलत
और सावन के पारंपरिक गीत गाती हैं। इ
लोकगीतों में भारतीय परिवार और रीतों का
री भावनात्मक दुनिया दिखाई देती है। बेटों

को मायके की याद आती है, नवविवाहिता अपने पिपा को याद करती है और सखियों के साथ हंसी-मजाक का माहौल बनाता है। इस लिहाज से तीज केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि लोक संस्कृति को जीवित रखने वाला पर्व भी है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे गीत, रीति-रिवाज और परंपरिक पकवान इस त्योहार को और समृद्ध बनाते हैं।

देशभर में अलग-अलग रंगों में मनाई जाती है तीज

हरियाली तीज मुख्य रूप से उत्तर भारत में विशेष उत्साह के साथ मनाई जाती है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सहित कई क्षेत्रों में इसके अलग-अलग रूप देखने को मिलते हैं। कहीं महिलाओं में विशेष पूजा होती है, कहीं महिलाओं के लिए सामूहिक आयोजन किए जाते हैं। कई जगह झूला उत्सव और तीज गीतों की परंपरा आज भी कायम है। शहरी क्षेत्रों में भी महिलाएं घरों और सामुदायिक स्थलों पर तीज मिलन समारोह आयोजित करती हैं। इस तरह बदलते समय के साथ पर्व मनाने का तरीका भले बदला हो, लेकिन इसकी मूल भावना प्रेम, सौभाग्य, आस्था और पारिवारिक मंगलकामना आज भी कायम है।

शिव आराधना और सावन का आध्यात्मिक महत्व

सावन को भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष महिना माना जाता है। हरियाली तीज इसी सावन में पड़ती है, इसलिए शिव-पार्वती की पूजा का महत्व और बढ़ जाता है। वास्तव में हरियाली तीज को आमतौर पर पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन इसके सांस्कृतिक संदेश का दायरा इससे कहीं बड़ा है। यह पर्व प्रेम, विश्वास, त्याग, धैर्य और समर्पण की भावना को

मजबूत करने का अवसर देता है।
माता पार्वती की तपस्या संकल्प और धैर्य का प्रतीक है, जबकि शिव-पार्वती का सम्बंध दोषपत्य जीवन में विश्वास और संयमन की भावना को दर्शाता है। यशस्वी कारण है कि तीज की कथा आज भी सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन में अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है। यह प्रथा महिलाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ मायके और समुदाय के प्रति महितीओं के लिए यह अपने मायके के जुड़ने और बचपन की स्मृतियों को फिर जीने का अवसर बनाता है। इस ब्रह्मचर्य दिवस के साथ तीज का संयोग 2026 की हरियाली तीज इसलिए भी खास है क्योंकि यह 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के दिन मनाई जाएगी। एक ओर देश के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता का उत्सव मनाएगा, वहीं दूसरी ओर घर-परिवारों में सावन की हरियाली, शिव-पार्वती की आराधना और तीज की उमंग दिखाई देगी। सावन की मुहारां, हरे परिधानों, मेहंदी, झूलों और तीज की गीतों के बीच मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक और सांस्कृतिक दोनों दृष्टि से विशेष वातावरण बनाएगा। प्रकृति, प्रेम और आस्था का संगम है हरियाली तीज-हरियाली तीज को यदि तीन शब्दों में समझना हो तो वे हैं प्रकृति, प्रेम और आस्था। प्रकृति सावन की हरियाली दिखाई देती है। प्रेम शिव-पार्वती के संबंध में दिखाई देता है और आस्था महिलाओं के स्वतंत्र, पूजा और प्रार्थना में दिखाई देती है। झूलों की पींग, मेहंदी से सजे हाथ, हर परिधानों की छटा, लोकगीतों की मिठाई और शिव-पार्वती की आराधना इस पर्व को भारतीय संस्कृति का बेहद सुंदर उत्सव बनाते हैं।

भारत स्वतंत्रता दिवस: रक्षा-उत्पादन विकास की राह पर तेज़ दौड़

वायुसेना के संदर्भ में, एडवॉर्ड प्लेटफॉर्म और सिस्टम का विकास स्वदेशी टेक्नोलॉजी में एक बड़ी छलांग दिखाता है। लाइट कॉम्पैक्ट एयरक्राफ्ट (एल सी ए) तेजस, एक मल्टी-रोल फाइटर जेट, इसका एक बड़ा उदाहरण है। दशकों के विकास के बाद, तेजस इंडियन एयर फोर्स के साथ स्क्वाड्रन सर्विस में शामिल हो गया है और इसे एक्सपोर्ट करने पर विचार किया जा रहा है, जो भारत की एडवॉर्ड फाइटर एयरक्राफ्ट डिजाइन करने, डेवलप करने और बनाने की क्षमता को दिखाता है। इसी तरह, पांचवीं पीढ़ी के फाइटर, एडवॉर्ड मीडियम कॉम्पैक्ट एयरक्राफ्ट (एम सी ए) का विकास चल रहा है, जिसका मकसद भारत को ऐसी एडवॉंस क्षमताओं वाले चुनिंदा देशों के ग्रुप में जगह दिलाना है।

डी.के. पांडे

वायुसेना के संदर्भ में, एडवॉरंस प्लेटफॉर्म और सिस्टम का विकास स्वदेशी टेक्नोलॉजी में एक बड़ी छलांग दिखाता है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एल सी.ए.) तेजस, एक मल्टी-रोल फाइटर जेट, इसका एक बड़ा उदाहरण है। दशकों के विकास के बाद, तेजस इंजन पर एयर फोर्स के साथ स्क्वाड्रन सर्विस में शामिल हो गया है। विकासशील भारत अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, यह राष्ट्रीय स्तर पर आत्मनिरीक्षण और आगे की सोच का प्रतीक है। रक्षा उत्पादन का क्षेत्र इसकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक ऑटोनॉमी की एक अहम स्तंभ बनकर उभरा है। मिलिट्री हार्डवेयर के एक बड़े आयातक से एक भरोसेमंद डिफेंस निर्यातक बनने का सफर भारत की बड़ती क्षमताओं और रणनीतिक दूरदर्शिता का सबूत है। यह बदलाव सिर्फ एक आर्थिक या टेक्नोलॉजिकल उपलब्धि नहीं है; यह असल में नेशनल सिक्योरिटी, जियोपॉलिटिकल स्ट्रैटेजी और ग्लोबल स्टेज पर ज्यादा असरदार भूमिका निभाने की इच्छा से जुड़ा है। पिछले कुछ दशकों में, खासकर हाल के सालों में रक्षा उत्पादन में जो त्रासकरी हुई है, वह एक मजबूत स्वदेशी डिफेंस इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम बनाने की सोची-समझी कोशिश को दिखाती है। यह लेख भारत के रक्षा-उत्पादन विकास की खास बात पर गहराई से बात करेगा, क्योंकि वह अपने 80वें स्वतंत्रता दिवस के करीब पहुंच रहा है, इसकी

ग्राथ को आगे बढ़ाने वाला कई वजहों को देखेगा, और उन रुकावटों को बारीकी से जांच करेगा जो इसकी पूरी क्षमता को चुनौती दे रही हैं। नेवल डिफेंस के क्षेत्र में काफी तत्कवी हुई है। भारत ने आज एन एन विक्तांग जैसे स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर को सफलतापूर्वक डेलैप और इलॉय किया है, जो पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और बनाया गया एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह उल्लंघन भारत को दुनिया भर में एक खास जगह दिलाती है, जो इसकी व्यापक नेवल शिपबिल्डिंग क्षमताओं को दिखाती है। इसके अलावा, भारतीय बलास (फ्रांस के नेवल ग्रुप के साथ मिलकर बनाया गया लेकिन इसमें काफी भारतीयी कटौत है) और एडवांस्ड पापरिफर पण्डुबन्धों पर फोकस करने वाला आज वाला कडऽ प्रोजेक्ट सहित समग्रणी का स्वदेशी विकास, पानी के नीचे की लड़ाई में बढ़ती आत्मनिर्भरता को दिखाता है। एडवांस्ड स्वदेशी हथियारों और सेंसर से लैस डिस्ट्रिक्ट, फ्रिगेट और ऑफशोर पेट्रोल वेसल का कंस्ट्रक्शन, भारतीय नेवी का ऑपरेशनल पहुँच और टेक्नोलॉजिकल बल को और मजबूत करता है। यह सेना के लिए स्वदेशीकरण में काफी बढोतरी देखी गई है। अनुज्ञे जैसे मेन बैटल टैंक (एम बी टी) का प्रोडक्शन, हालाँकि शुरुआती विकास में है, चीनियों का सामना कर रहा था, लेकिन अब एक मजबूत प्लेयरफैर्म बन गया है। इससे भी ज्यादा जरूरी बात यह है कि माइंड ऑर्टिलरिरी सिस्टम, जिसमें धनुष टोड ऑर्टिलरिरी गन और के 9 ब्रह्म (भारत में लाइसेंस के शहत बनाया गया एक साउथ कोरियाई डिजाइन) शामिल हैं, के लिए ओर ने इंडियन आर्मी की फायरपावर

को बहतर बनाया है। कलाशिकार ए फं-203 (भारत में बनी) जैसी देशी असाल्ट राइफल का विकास, और अगली पीढ़ी के इम्फैट्यू कॉम्बैट व्हीकल और आर्मड पैर्सनल कैरियर के लिए भविष्य के प्रोजेक्ट, जमीनी सेना को स्टेट-ऑफ-द-आर्ट हथियारों से लैस करने के कमिटेयंट को दिखाते हैं। मिसाइल और रॉकेट का क्षेत्र भारत के लिए लगातार ताकत का क्षेत्र रहा है। इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आई सी बी एम) की अगिन सीरीज, पृथ्वी शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल, आकाश सर्फेस-टू-ग्राउंड मिसाइल सिस्टम, और ब्रह्मोस सर्फेस-सर्फेस क्रूज मिसाइल (रूस के साथ एक जॉइंट वेंचर) का विकास और इन्वैण्डेंस मिसाइल टेक्नोलॉजी में भारत की एडवांस्ड क्षमताओं को दिखाता है। ये सिस्टम ज़रूरी रणनीतिक रोकथाम और हमला करने की क्षमता देते हैं। वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (वी टी ओ एल) मिसाइलों और हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी का चल रहा विकास, मिसाइल युद्ध में सबसे आगे रहने की भारत की इच्छा का और संकेत देता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन सेक्टर में स्वदेशीकरण की तुरफ काफ़ी जोर देखा गया है। लेहरी और स्वाति जैसे एडवांस्ड रेंज सिस्टम से रोकिए इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सुइट्स और सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम का, भारतीय कर्पियायें तेजी से ज़रूरी कपोनेंट्स और सबसिस्टम डेवलप और प्रोड्यूस कर रही हैं। इससे विदेशी सप्लायर्स पर

निम्नरता कम होती है और रक्षा नेटवर्क के अंदर साइबर स्क्वायरों पर बढ़ती है। आखिर में, निजी रक्षा क्षेत्र का विकास एक उल्लेखनीय घटनाक्रम है। ऐतिहासिक रूप से सरकारी कंपनियों का दबदबा रहने के बाद, भारत ने अब निजी क्षेत्र का भागीदारों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है। लार्सन एंड टुब्रो, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और महिंद्रा रक्षा सिस्टम्स जैसी कंपनियाँ महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर रही हैं और निष्पन्न रक्षा ब्लेडफॉर्म और पुंजों के डिजाइन, विकास और निर्माण में योगदान दे रही हैं। इससे इस क्षेत्र में गतिशीलता, प्रतिस्पर्धा और नवाचार आया है।

विकास के कारक
भारत के रक्षा उत्पन्न की प्रभावशाली प्रगति रणनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों के मेल से प्रेरित है। ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे को मजबूत करते हैं, जिससे निरंतर विकास के लिए अनुकूल माहौल बनता है। (डु) सबसे महत्वपूर्ण कारक रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करने और विदेशी सैन्य उपकरणों पर निर्भरता कम करने की अटूट प्रतिक्रिया है। तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक मजबूत स्वदेशी रक्षा औद्योगिक आधार का होना बहुत जरूरी है। यह सुनिश्चित करता है कि भारत अन्य देशों की नीतियों या रणनीतिक हितों के दबाव में आए बिना अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा कर सके।

बिलासपुर में तीसरी मल्टीलेवल पार्किंग एक महीने में होगी तैयार, 80 कारों की होगी क्षमता

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। शहर के पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में पार्किंग और ट्रैफिक की समस्या से राहत दिलाने के लिए तैयार की जा रही तीसरी मल्टीलेवल पार्किंग का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। करीब 12 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से बन रही यह अत्याधुनिक ऑटोमेटेड शटल टाइप कार पार्किंग लगभग एक महीने में शुरू होने की उम्मीद है नगर निगम और बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा तैयार कराई जा रही इस पार्किंग का नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने निरीक्षण किया और अधिकारियों को शेष काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

80 कारों की एक साथ पार्किंग: पुराने बस स्टैंड में करीब 10,500 वर्गफीट जमीन पर बन रही पार्किंग ग्राउंड फ्लोर के अलावा चार मंजिल की होगी। यहां एक साथ करीब 80 कारों पार्क की जा सकेंगी ग्राउंड फ्लोर पर बाइक पार्किंग की सुविधा भी रहेगी। भवन को



आधुनिक तकनीक और सुविधाओं के साथ तैयार किया जा रहा है।

लिफ्ट और शटल सिस्टम से होगी पार्किंग: इस पार्किंग की सबसे बड़ी खासियत ऑटोमेटेड पार्किंग व्यवस्था होगी। वाहन चालक निर्धारित ग्राउंड फ्लोर पर कार लेकर पहुंचेगा। इसके बाद लिफ्ट और स्वचालित शटल सिस्टम के जरिए वाहन को निर्धारित पार्किंग स्लॉट तक

पहुंचाया जाएगा। इससे कम जगह में अधिक वाहनों को व्यवस्थित तरीके से खड़ा किया जा सकेगा पार्किंग में प्रवेश करते समय वाहन की नंबर प्लेट मशीन से ऑटोमेटिक तरीके से रीड होगी और इसके आधार पर पार्किंग पर्ची जारी की जाएगी। भवन में फायर फाइटिंग सिस्टम भी लगाया जा रहा है। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पार्किंग शुरू करने से पहले सभी तकनीकी और

सुरक्षा व्यवस्थाओं का परीक्षण किया जाए।

तीन साल की देरी से पूरा हो रहा प्रोजेक्ट: पुराने बस स्टैंड की यह परियोजना स्मार्ट सिटी की धीमी गति से चलने वाली परियोजनाओं में शामिल रही है। 12.60 करोड़ रुपए की लागत वाले प्रोजेक्ट का टेंडर 2019 में जारी हुआ था और पांचवीं बार में ठेकेदार मिल सका। निर्माण 2022 में शुरू हुआ और इसे 2023 में पूरा



किया जाना था बाद में एक साल का एक्सटेंशन भी दिया गया, लेकिन तय समय में काम पूरा नहीं हो सका अब करीब तीन साल की देरी के बाद परियोजना पूरी होने जा रही है।

पहले की पार्किंग के बावजूद जाम की समस्या: बिलासपुर में कलेक्ट्रेट के बाजू और सिटी कोतवाली थाना परिसर में पहले ही मल्टीलेवल पार्किंग शुरू हो चुकी है। इनके निर्माण के समय गोलबाजार,

सदर बाजार, शनिचरी मार्केट और कोतवाली क्षेत्र में पार्किंग व ट्रैफिक की समस्या दूर होने का दावा किया गया था। हालांकि आज भी कलेक्ट्रेट और कोतवाली क्षेत्र में सड़क किनारे बेतरतीब वाहन खड़े होने से जाम की स्थिति बनती है ऐसे में पुराना बस स्टैंड की तीसरी मल्टीलेवल पार्किंग शुरू होने के बाद ट्रैफिक व्यवस्था वास्तव में कितनी सुधरती है यह देखना अहम होगा।

NH-46 पर भारी वाहन ने तीन गायों को कुचला दो घायल गौशाला के बावजूद सड़क पर गौवंश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में NH-46 पर सुमेला गांव के पास गुरुवार रात अज्ञात भारी वाहन की टक्कर से तीन गायों की मौत हो गई जबकि दो अन्य गौवंश घायल हो गए हादसे के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल गायों को प्राथमिक उपचार दिया घटना ने एक बार फिर हाईवे पर खुले में घूम रहे गौवंश की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं सुमेला गांव में गौशाला मौजूद होने के बावजूद गौवंश का हाईवे तक पहुंचना चिंता का विषय बना हुआ है ग्रामीणों के मुताबिक क्षेत्र में पहले भी सड़क पर गौवंश की मौत की घटनाएं हो चुकी हैं कई बार गौवंश को बचाने के प्रयास में वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी हुए हैं 31 जुलाई को देहात थाना क्षेत्र में NH-46 पर जियो पेट्रोल पंप के पास अज्ञात भारी वाहन ने सड़क पर बैठे सात गौवंश को कुचल दिया था हादसे में सभी सात गायों की मौके पर ही मौत हो गई थी इसके अगले दिन 1 अगस्त कोलारस थाना क्षेत्र में खाटू श्याम होटल के पास सड़क पर आए गौवंश को बचाने के प्रयास में तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया था। दुर्घटना में एक व्यक्ति को मामूली चोट आई थी सुमेला के पास भी पहले अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बछड़े की मौत हो



चुकी है जबकि उसकी मां गाय घायल हुई थी बारिश के मौसम में गौवंश अक्सर सूखी जगह और मक्खियों से बचने के लिए सड़कों पर आकर बैठ जाता है। NH-46 पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही के कारण इससे हादसों का खतरा और बढ़ जाता है। गुरुवार रात भी सुमेला के पास सड़क पर मौजूद गौवंश भारी वाहन की चपेट में आ गया लगातार हो रहे हादसों में जहां गौवंश की जान जा रही है वहीं उन्हें बचाने के प्रयास में वाहन चालकों की जान भी खतरे में पड़ रही है गौवंश को सड़क हादसों से बचाने के लिए कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा आदेश जारी किए जा चुके हैं इसके बावजूद NH-46 पर लगातार हादसे सामने आ रहे हैं सुमेला में गौशाला होने के बाद भी गौवंश का हाईवे तक पहुंचना प्रशासनिक निगरानी और आदेशों के पालन पर सवाल खड़े करता है ग्रामीणों ने गौवंश को सुरक्षित रखने और हाईवे पर ऐसे हादसों को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था की मांग की है।

आदि कर्म योगी अभियान के तहत बेलबहरा में जनसुनवाई, ग्रामीणों को योजनाओं की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आदि कर्म योगी अभियान के तहत ग्राम पंचायत बेलबहरा के पंचायत भवन एवं आदि सेवा केंद्र में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं और आवश्यकताओं को सुना गया। साथ ही विभिन्न शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया बताई गई। जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों और विभागीय कर्मचारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। ग्रामीणों ने अपनी आवश्यकताओं और स्थानीय समस्याओं से संबंधित जानकारी अधिकारियों के समक्ष रखी। संबंधित विभागों के



कर्मचारियों ने समस्याओं को सुनते हुए योजनाओं और उपलब्ध शासकीय सेवाओं के बारे में जानकारी दी कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं और सेवाओं की जानकारी उनके गांव में ही उपलब्ध करना रहा ताकि पात्र हितग्राहियों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को

आयुष्मान कार्ड से मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी पात्र ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी की गई इसके अलावा किसानों का एग्री-स्ट्रैक पंजीयन करवाया गया एग्री-स्ट्रैक पंजीयन से संबंधित प्रक्रिया और इसके उपयोग की जानकारी भी किसानों को दी गई, ताकि वे शासन की कृषि संबंधी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उठा सकें

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान पात्र हितग्राहियों को रशन कार्ड का वितरण भी किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को रशन कार्ड से मिलने वाली सुविधाओं और पात्रता संबंधी जानकारी दी अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए जरूरी दस्तावेज पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जनसुनवाई के माध्यम से विभिन्न विभागों की सेवाओं को ग्रामीणों के नजदीक पहुंचाने का प्रयास किया गया कार्यक्रम के जरिए ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से जोड़ने और पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया इससे ग्रामीणों को अपने गांव में ही कई जरूरी शासकीय सेवाओं का लाभ मिलने की सुविधा उपलब्ध हुई।

बारिश के बीच जोश और उत्साह के साथ सम्पन्न हुई जिला स्तरीय स्वतंत्रता दौड़

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिले में देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। लगातार हो रही बारिश भी प्रतिभागियों के उत्साह को कम नहीं कर सकी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने पूरे जोश के साथ दौड़ में भाग लेकर राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया प्रातः 7:00 बजे स्वामी आत्मानंद उच्चकृत विद्यालय, मनेशगढ़ से स्वतंत्रता दौड़ का शुभारंभ हुआ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रतिमा यादव, अध्यक्ष नगर पालिका मनेशगढ़ ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को खाना किया इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री रंजन देवी जांगड़े, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या



में नागरिक उपस्थित रहे दौड़ निर्धारित मार्ग से होते हुए पीडब्ल्यूडी तिरुहा पहुंची और वहां से आमखेवा मैदान में सम्पन्न हुई इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री रंजन देवी जांगड़े ने कहा कि स्वतंत्रता दौड़ केवल एक खेल गतिविधि नहीं बल्कि राष्ट्रेप्रेम, अनुशासन एकता और स्वस्थ जीवन का संदेश देने वाला आयोजन है उन्होंने कहा कि हम सभी को सदैव शारीरिक रूप से स्वस्थ और फिट रहने का प्रयास करना चाहिए तथा ऐसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करनी चाहिए उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश

के प्रति समर्पित रहें, हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें और अपने कार्यों एवं योगदान से भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार निर्भाने का भी आह्वान किया पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि लगातार हो रही बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक दौड़ में भाग लेकर अपने मौके पर नहीं रुका और वाहन लेकर फरार परिचय दिया है उन्होंने कहा कि

प्रतिभागियों का यह उत्साह पूरे जिले के लिए प्रेरणादायी है उन्होंने सभी प्रतिभागियों नागरिकों तथा आयोजन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमें स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण की याद दिलाते हैं तथा उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देते हैं उन्होंने सभी से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा देशभक्ति अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने टीवी हॉंगे देश जैतेगा अभियान का संदेश देते हुए कहा कि यदि टीवी की समय पर पहचान और सही उपचार किया जाए तो यह बीमारी पूरी तरह ठीक हो सकती है।

ट्रेनी IPS राहुल बंसल पर 1 करोड़ रिश्वत के आरोप CBI कोर्ट का नोटिस ASI और कॉन्स्टेबल लाइन अटैच

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ट्रेनी आई और ऑबिकापुर CSP राहुल बंसल पर साइबर ठगी के एक मामले में हवाला के जरिए 1 करोड़ रुपए रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है मामले में हरियाणा निवासी आकाश कुमार ने दिल्ली की CBI स्पेशल कोर्ट में परिववाद दायर किया है कोर्ट ने मामले में नोटिस जारी किया है और अगली सुनवाई 18 अगस्त को निर्धारित की गई है शिकायत के साथ WhatsApp चैट, कॉल रिकॉर्डिंग और शपथ-पत्र भी पेश किए गए हैं शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अंबिकापुर साइबर सेल में पदस्थ ASI प्रवीण कुमार राठौर और आरक्षक अंशुल शर्मा के जरिए रिश्वत का सौदा किया गया आरोप है कि 1 करोड़ रुपए की रकम हवाला ऑपरेटरों के माध्यम से दो



किशतों में 50-50 लाख रुपए पहुंचाई गई। परिववाद में राहुल बंसल, प्रवीण कुमार राठौर और अंशुल शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 7 सहित BNS की धाराओं के तहत FIR दर्ज करने की मांग की गई है मामले में छत्तीसगढ़ DGP को भी नोटिस जारी किए जाने की बात

सामने आई है वायरल ऑडियो के बाद ASI और कॉन्स्टेबल पर कार्रवाई वायरल ऑडियो सामने आने के बाद सरगुजा IG दीपक कुमार झा ने ASI प्रवीण कुमार राठौर और कॉन्स्टेबल अंशुल शर्मा को पुलिस लाइन अटैच कर दिया है। IG का कहना है कि CSP राहुल बंसल के खिलाफ रिश्वत के

आरोपों को साबित करने वाला कोई सबूत अब तक सामने नहीं आया है वायरल ऑडियो के आधार पर दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है IG के मुताबिक साइबर रेंज थाना अंबिकापुर में दर्ज ठगी के मामले की जांच CSP राहुल बंसल के नेतृत्व में की जा रही थी इस मामले में अलग-अलग राज्यों से अब तक 23 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है 20 लाख की साइबर ठगी से जुड़ा मामला पूरा मामला अंबिकापुर के क्रशर संचालक रवि मोहन गोस्वामी से हुई साइबर ठगी से जुड़ा है शिकायत के मुताबिक शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर मनी ट्रेड 365 और स्काई ट्रेड एप्लीकेशन इंस्टॉल कराकर उनसे 20 लाख 15 हजार रुपए की ठगी की गई रकम 17-18 अलग-अलग बैंक खातों में 84 किशतों के

जरिए जमा कराई गई थी पुलिस ने BNS और IT एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी शिकायतकर्ता आकाश कुमार का आरोप है कि फैसले में रियायत देने के बदले 1 करोड़ रुपए की मांग की गई आरोपों के मुताबिक, कॉन्स्टेबल अंशुल शर्मा ने मोबाइल खराब होने की बात कहकर रकम एक मोबाइल दुकान पर छोड़ने के लिए कहा था इस बातचीत का कथित ऑडियो वायरल हुआ है फिलहाल पुलिस विभाग ने दो कर्मचारियों को लाइन अटैच कर दिया है जबकि राहुल बंसल के खिलाफ आरोपों की पुष्टि हो लेकर पुलिस ने सबूत नहीं मिलने की बात कही है अब मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी जिस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

जिरिए जमा कराई गई थी पुलिस ने BNS और IT एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी शिकायतकर्ता आकाश कुमार का आरोप है कि फैसले में रियायत देने के बदले 1 करोड़ रुपए की मांग की गई आरोपों के मुताबिक, कॉन्स्टेबल अंशुल शर्मा ने मोबाइल खराब होने की बात कहकर रकम एक मोबाइल दुकान पर छोड़ने के लिए कहा था इस बातचीत का कथित ऑडियो वायरल हुआ है फिलहाल पुलिस विभाग ने दो कर्मचारियों को लाइन अटैच कर दिया है जबकि राहुल बंसल के खिलाफ आरोपों की पुष्टि हो लेकर पुलिस ने सबूत नहीं मिलने की बात कही है अब मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी जिस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

NH-46 की सर्विस रोड पर मिला नवजात बच्ची का शव, माता-पिता की पहचान पिता लापता

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में NH-46 की सर्विस रोड पर शुकुवार को कपड़ों में लिपटा नवजात बच्ची का शव मिलने से सनसनी फैल गई शव बुड़ुंगौर गांव के पास ओवरब्रिज की सर्विस रोड पर मिला सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की पुलिस ने शुकुवार दोपहर तक बच्ची के माता-पिता की पहचान कर ली दोनों रनौद थाना क्षेत्र के खेरोना गांव के निवासी निदिथा आदिवासी और जितेंद्र आदिवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार निदिथा ने गुरुवार रात घर पर ही बेटी को जन्म दिया था डिलीवरी आशा कार्यकर्ता की मदद से हुई थी जन्म के बाद नवजात को बदरवास स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया इसके बाद बच्ची का शव परिजनों को दफनाने के लिए सौंप दिया गया था हालांकि स्वास्थ्य केंद्र से

करीब 10 किलोमीटर दूर शव NH-46 की सर्विस रोड तक कैसे पहुंचा यह अभी स्पष्ट नहीं है पुलिस इस पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है बीएमओ चेतेंद्र कुशवाह के मुताबिक नवजात को स्वास्थ्य केंद्र में मृत अवस्था में लाया गया था डिलीवरी करीब सात माह की बताई गई है परिजनों को शव दफनाने के लिए सौंपा गया था बच्ची की मां निदिथा अभी अस्पताल में भर्ती है जबकि उसका पति जितेंद्र गुरुवार रात से लापता बताया जा रहा है बदरवास थाना प्रभारी नवीन यादव ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज की जा रही है पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि स्वास्थ्य केंद्र से शव ले जाने के बाद वह NH-46 की सर्विस रोड तक किन परिस्थितियों में पहुंचा और उसे वहां किसने छोड़ा मामले की जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

खंडवा में लहरों के बीच तैराकों ने निकाली तिरंगा यात्रा



मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देशभक्ति का जज्बा दिखाने के लिए एक अनोखी तिरंगा यात्रा निकाली गई। आबना नदी के गणगौर घाट क्षेत्र में ‘लहरों के राजा’ तैराक दल के सदस्यों ने नदी की लहरों के बीच तिरंगा यात्रा निकाली। तैराक हाथों में तिरंगा लेकर नदी में तैरते हुए आगे बढ़े और बीच पानी में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश को सलामी दी। हर साल की तरह इस बार भी लहरों के राजा ग्रुप के सदस्यों ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यह विशेष आयोजन किया। यात्रा के दौरान तैराकों ने नदी के बीच पहुंचकर तिरंगा लहराया। दल के कुछ सदस्य गहरे पानी में भी उतरे और वहां तिरंगा फहराया। नदी की लहरों के बीच तिरंगे के साथ तैरते युवाओं का दृश्य देखते ही बन रहा था। इस दौरान जन-गण-मन का गायन भी किया गया।

हर साल निकालते हैं तिरंगा यात्रा: लहरों के राजा ग्रुप के सदस्य राजकुमार सिसोदिया ने बताया कि हर वर्ष 15 अगस्त के अवसर पर तिरंगा यात्रा निकाली जाती है। इसका उद्देश्य लोगों के भीतर देशभक्ति की भावना और जोश पैदा करना है। उन्होंने कहा कि जब लोग नदी में तिरंगे के साथ तैरते सदस्यों को देखते हैं तो उनके अंदर भी देशप्रेम की भावना जागृत होती है। इस यात्रा को लेकर ग्रुप के सदस्यों में हर साल खास उत्साह रहता है।

‘कुछ अलग करने का विचार आया’: ग्रुप के सदस्य संजय शर्मा ने बताया कि देशभर में ‘हर घर तिरंगा’ अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है। इसी दौरान ग्रुप के सदस्यों के मन में विचार आया कि तिरंगे की आन-बान-शान के लिए कुछ अलग किया जाए। इसके बाद आमना नदी के बीच तिरंगा फहराने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष किया जाता है और नदी में तैराकी के दौरान सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाता है। उनके अनुसार इस यात्रा में अलग-अलग धर्म और समुदायों के लोग शामिल होते हैं। सभी सदस्य मिलकर राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का संदेश देते हैं।

नदी में तैराकी के साथ फिटनेस का संदेश भी: लहरों के राजा ग्रुप के सदस्य आमना नदी में तैराकी के माध्यम से युवाओं को फिटनेस के लिए भी प्रेरित करते हैं। संजय शर्मा ने बताया कि तैराकी शरीर को फिट रखने का बेहतर माध्यम है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नदी के बीच तिरंगा फहराकर उन्होंने देशभक्ति के साथ फिटनेस और साहस का संदेश भी दिया। गणगौर घाट क्षेत्र में जब तैराक दल के सदस्य तिरंगा लेकर नदी की लहरों के बीच पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों का ध्यान भी उनकी ओर आकर्षित हुआ। पानी के बीच लहराता तिरंगा और उसके साथ तैरते युवा देशभक्ति से सराबोर नजर आए।

अलग-अलग धर्मों के लोग हुए शामिल: इस तिरंगा यात्रा की खास बात यह रही कि इसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदायों से जुड़े लोग भी शामिल हुए। सभी ने एक साथ नदी में तैरते हुए राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। कहा कि तिरंगा सभी देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधता है और इसी भावना के साथ यह यात्रा निकाली गई। गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी भी तीन साल पहले सोशल मीडिया पर यह वीडियो शेयर कर प्रशंसा कर चुके हैं।

महाविद्यालयों में भी चलेगा ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। । प्रदेश के शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान चलाया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शासन के निर्देश के अनुसार ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान व्यापक रूप से संचालित किया जाना है। उच्च शिक्षा संस्थानों में अभियान की गतिविधियों को आयोजित कर पौधरोपण को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। अभियान के अंतर्गत लगाए गए पौधों की जानकारी Meri LIFE पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पौधों की देखभाल पर रहेगा विशेष जोर: विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि पौधरोपण के साथ उनकी जीवितता और संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए पौधों को पानी देने, उनकी सुरक्षा करने तथा आवश्यकता के अनुसार नियमित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश हैं। नए पौधरोपण के साथ पूर्व में लगाए गए पौधों के संरक्षण पर भी ध्यान दिया जाएगा। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। पौधरोपण के साथ जल संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक के उपयोग में कमी तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता जैसी गतिविधियों को भी अभियान से जोड़ने पर जोर दिया गया है। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ जुड़ने और पर्यावरण संरक्षण को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मां की स्मृति से जुड़ेगा पौधरोपण: ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान में लगाए जाने वाले पौधे को मां की स्मृति और सम्मान से जोड़ने की परिकल्पना की गई है।

मंदसौर में 24 घंटे में हुई 0.08 इंच बारिश:3 दिन बाद थमा बरसात का दौर; अगले कुछ दिन हल्की बारिश के आसार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में पिछले तीन-चार दिनों से जारी झमाझम बारिश का दौर अब धीमा पड़ गया है। पिछले 24 घंटों में जिले में केवल 0.08 इंच बारिश दर्ज की गई है। मंदसौर शहर समेत अधिकांश हिस्सों में फिलहाल बूदाबादी और हल्की फुहारें ही पड़ रही हैं। हालांकि मानसून की सक्रियता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और आने वाले दिनों में फिर स्थानीय स्तर पर बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश: जिले के दलौदा, अफजलपुर, सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरीद, सुवासरा, शामागढ़, मन्हारगढ़, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, डिगांव और बरखेड़ा सहित कई क्षेत्रों में रुक-रुककर



हल्की बारिश जारी है। इस मानसून सीजन में मंदसौर जिले में अब तक कुल 19.68 इंच बारिश हो चुकी है। यह पिछले साल की इसी अवधि में दर्ज 19.76 इंच बारिश से 0.08 इंच कम है।

नदी-नालों के पास सावधानी की अपील: हाल ही में हुई तेज बारिश के कारण जिले के नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। इसे देखते हुए प्रशासन ने

लोगों से अपील की है कि पानी का बहाव कम होने तक नदी-नालों की पुलिया पार करने का जोखिम न लें। 14 अगस्त को मंदसौर जिले में मौसम बादलों वाला बना हुआ है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, दिन का तापमान

➡ 15 से 20 अगस्त तक ऐसा रहेगा मौसम ⬅

15 अगस्त को मौसम मुख्यतः बादल वाला रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना है। तापमान करीब 24 से 30 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 16 से 18 अगस्त के बीच मौसम में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। आसमान में बादल छाए रह सकते हैं और जिले के कुछ हिस्सों में रुक-रुककर बारिश हो सकती है।

➡ मानसून पूरी तरह शांत नहीं ⬅

मौसम विभाग के मुताबिक मंदसौर में मानसून पूरी तरह शांत होता नजर नहीं आ रहा है। अगले कुछ दिनों तक बादल, उमस और रुक-रुककर बारिश का दौर बना रह सकता है।

11 फीट का सांप 20 फीट पाइप में घुसा: खेत में पानी भरने पहुंची महिला ने देखा, सर्पमित्रों ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। थरौटा एमईएस बैरियर के पास एक खेत में पानी भरने पहुंची महिला ने करीब 11 फीट लंबा धामन सांप देखा। महिला के शोर मचाने पर परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सांप पास रखे 20 फीट लंबे स्पिंकलर पाइप में घुस गया था। इसके बाद सर्पमित्रों को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर सर्पमित्र हर्ष प्रजापति और अमन प्रजापति तुरंत मौके पर पहुंचे। सांप के 20 फीट लंबे स्पिंकलर पाइप में घुस जाने के कारण रेस्क्यू टीम को उसे बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सर्पमित्रों ने सावधानीपूर्वक सांप को पाइप से सुरक्षित बाहर निकाला। सर्पमित्रों ने सांप की पहचान धामन प्रजाति के रूप में की, जिसकी लंबाई 11 फीट से अधिक थी। उन्होंने बताया कि धामन एक गैर-विषैला सांप है और मनुष्यों के लिए नुकसान नहीं होता। सफल रेस्क्यू के बाद, सांप को उसके प्राकृतिक आवास तवा नगर के जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। सर्पमित्र हर्ष प्रजापति ने बताया कि बरसात के मौसम में सांपों के बिलों में पानी भर जाने के कारण वे अक्सर सूखी और गर्म जगहों की तलाश में घरों, खेतों या आसपास रखे सामान में आ जाते हैं। उन्होंने जनता से अपील की है कि बारिश के दौरान विशेष सावधानी बरतें।

नेपानगर में बिजली पोल पर सफाईकर्मों को लगा करंट

बिजली लाइन ठीक करते समय हादसा, बुरहानपुर रेफर; लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के नेपानगर में शुक्रवार दोपहर बिजली लाइन दुरुस्त करते समय नगर पालिका के एक कर्मचारी को करंट लग गया। करंट लगने के बाद कर्मचारी पोल पर लगे झूले में अटक गया। स्थानीय लोगों ने उसे नीचे उतारकर नेपा लिमिटेड के अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत को देखते हुए उसे बुरहानपुर रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे महात्मा गांधी वार्ड क्रमांक 20 में आंगनवाड़ी के पास हुई। करंट लगने के बाद कर्मचारी के हाथ बिजली के तारों से नहीं चिपके और वह झूले में लटक गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

सफाईकर्मों से इलेक्ट्रिक हेल्पर का काम भी: करंट की चपेट में आए कर्मचारी की पहचान



नगर पालिका सफाईकर्मों ललित डुलगाण (35) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से सफाईकर्मों है, लेकिन नगर पालिका द्वारा उससे इलेक्ट्रिक हेल्पर और वाहन चालक का काम भी लिया जाता है। शुक्रवार को उसे बिजली लाइन दुरुस्त करने के लिए पोल पर चढ़ाया गया था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका ने कर्मचारी को बिना सुरक्षा उपकरण के बिजली लाइन सुधारने

के काम में लगाया था। इसे लेकर कर्मचारी के समाज के लोगों ने अस्पताल में नाराजगी जताई। निलेश कटारिया ने आरोप लगाया कि नगर पालिका में हर साल ठेका होता है, लेकिन कर्मचारियों को सुरक्षा सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जाती। उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण नहीं दिए गए तो समाज के लोग आंदोलन करेंगे।



लोगों से अपील की है कि पानी का बहाव कम होने तक नदी-नालों की पुलिया पार करने का जोखिम न लें। 14 अगस्त को मंदसौर जिले में मौसम बादलों वाला बना हुआ है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, दिन का तापमान

➡ 15 से 20 अगस्त तक ऐसा रहेगा मौसम ⬅

15 अगस्त को मौसम मुख्यतः बादल वाला रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना है। तापमान करीब 24 से 30 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 16 से 18 अगस्त के बीच मौसम में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। आसमान में बादल छाए रह सकते हैं और जिले के कुछ हिस्सों में रुक-रुककर बारिश हो सकती है।

➡ मानसून पूरी तरह शांत नहीं ⬅

मौसम विभाग के मुताबिक मंदसौर में मानसून पूरी तरह शांत होता नजर नहीं आ रहा है। अगले कुछ दिनों तक बादल, उमस और रुक-रुककर बारिश का दौर बना रह सकता है।



समस्त देशवासियों एवं प्रदेशवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं



गिरीश गौतम
देवतालाब, विधायक
(पूर्व म.प्र. विधान सभा अ.प्रा.क.)

समस्त सिरमौर विधानसभा क्षेत्र वासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं



दिव्यराज सिंह
भाजपा विधायक,
विधानसभा क्षेत्र सिरमौर

समस्त क्षेत्रवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं



सिद्धार्थ तिवारी 'राज'
भाजपा क्षेत्र विधायक,
विधानसभा त्योंथर

समस्त मऊगंज विधानसभा क्षेत्र वासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं



प्रदीप पटेल
भाजपा विधायक
विधानसभा क्षेत्र मऊगंज

समस्त क्षेत्रवासियों एवं सेमरिया विधानसभा क्षेत्र वासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं



के पी त्रिपाठी

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त की हार्दिक शुभकामनाएं



राजीव सिंह (शेरा)
स्वतंत्र न्यायालय, रीवा (म.प्र.)

अपना, मिलकर इसे सफल की ओर अग्रसर करें।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस

के पावन अवसर पर समस्त देशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं!

जय हिंद | जय भारत

सत्यनारायण चतुर्वेदी
की ओर से

भारत की रात, हमारे अग्रिम आशीर्वादों को देना का समर्थन

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस

की आप सभी को

हार्दिक शुभकामनाएं

भारत हमें अविनाश दी नहीं, कविता की देवी है।
अपना, मिलकर एक सफल, समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण करें।

राहुल मिश्रा
अध्यक्ष
संजय गांधी स्मृति हॉस्पिटल (SGMH), रीवा

भारत देश की गौरव की बात है, 15 अगस्त हमारे देश की शान है।

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त

की हार्दिक शुभकामनाएं

एक सैनिकी तिरंगे के साथ...

पुष्प लाल एवं अनूप

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं



राजीव सिंह

समस्त सामाजिकों की

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं!

अपना, मिलकर इसे सफल की ओर अग्रसर करें।

श्रीमती कुमारी दिनेश्वरी
श्रीमती सुनील देवी श्रीमती

समस्त सामाजिकों को

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

अपना, मिलकर इसे सफल की ओर अग्रसर करें।

श्रीमती रमिणी देवी
सुनील तिवारी

समस्त मनगवा विधानसभा क्षेत्र वासियों को

स्वतंत्रता दिवस 15 दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

इंजी. नरेंद्र प्रजापति
भाजपा विधायक
विधानसभा क्षेत्र मनगवा

समस्त देशवासियों को

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं!

HOTEL ORCHID
COMFORT | HOSPITALITY | MEMORABLE STAY
Experience Luxury Feel at Home

समस्त देशवासियों को

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं!

THE EMPIRE HOTEL
AC & Non AC Room Available, 24x7

प्रतिष्ठित

माँ भगवती ट्रेडर्स

सभी विभाग एवं प्रदेश वासियों को देश की स्वतंत्रता के 80 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई और अमृत शुभकामनाएं

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समस्त नगर वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सम्माननीय नागरिकों से विनम्र अपील

नगर के नागरिकों को सतना नगर निगम के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समस्त नगर वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सिद्धार्थ सिंह
नगर पालिक निगम सतना

सभी नगर वासियों को गणतंत्र दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

सीएमओ
नगर परिषद अध्यक्ष
नगर परिषद मनगवा

सभी प्रदेश वासियों को

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

महात्मा गांधी हा.से. स्कूल
कक्षा 5th से 12th हिन्दी माध्यम
तमस संकट (कल-वर्णन, गणित, बाल)

स्वतंत्रता दिवस पर समस्त विन्ध्य वासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

कुंज बिहारी तिवारी
समस्त विन्ध्य वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सभी देश वासियों को गणतंत्र दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

शाना प्रभारी
विजय सिंह
सौजन्य से टेक्सी संघ

सभी देश वासियों को गणतंत्र दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

शाना प्रभारी
दीपक तिवारी
सौजन्य से टेक्सी संघ

सभी देश वासियों को गणतंत्र दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

शाना प्रभारी
आशीष मिश्रा
सौजन्य से टेक्सी संघ

सभी देश वासियों को गणतंत्र दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

शाना प्रभारी
शिवा अग्रवाल
सौजन्य से टेक्सी संघ

